मुख्यमंत्री गहलोत की तुष्टिकरण की राजनीति ने ले ली एक निर्दोष की जान : शेखावत

उदयपुर की घटना पर केंद्रीय मंत्री का राजस्थान सरकार और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उदयपुर की घटना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि उदयपुर में जहां एक निर्दोष नागरिक कन्हैयालाल तेली की बर्बरता से हत्या की गई, वहां अभी कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्टी ने 'चिंतन' किया था। 'चिंतन' पार्टी की गिरती दशा पर करना था, लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने चिर-परिचित एजेंडे भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोसने में लगी रही, क्योंकि उसे 'चिंतन' नहीं एक वर्ग विशेष को खुश करना था। इसी तुष्टिकरण की राजनीति को राजस्थान के मुखिया अशोक गहलोत आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके घातक परिणाम प्रदेश और देश की जनता देख रहे हैं। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल तेली की हत्या भी इसी तुष्टिकरण की राजनीति का घातक परिणाम है। अपने बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आखिर क्या कारण है कि कन्हैयालाल तेली की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उन्होंने पुलिस को आरोपियों के मोबाइल नंबर तक मुहैया कराए थे। धमकियों के चलते अपनी दुकान तक बंद रखी, पर पुलिस सोई रही। पुलिस और राज्य सरकार की नाकामी का ही नतीजा है कि जैसे ही कन्हैयालाल ने अपनी दुकान खोली, उनकी जान ले ली गई। राजस्थान में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, यह इसी बात से पता चलता है कि उन्होंने बर्बरता से हत्या के बाद हथियार लहराते हुए वीडियो जारी किया। शेखावत ने कहा कि सरकार की ऐसी ही नाकामी करौली, जोधपुर, धौलपुर, भीलवाड़ा आदि शहरों में जनता देख चुकी है। कैसे करौली में रामनवमी की शांतिपूर्ण शोभायात्रा पर हमला हुआ? कैसे जोधपुर में एकतरफा उपद्रव मचाया गया? करौली में पीएफआई और दूसरे संगठनों के साथ कुछ सूत्र जुड़ते हुए पाए गए थे, लेकिन राजस्थान सरकार इस पर आज भी मौन है। करौली और जोधपुर में उपद्रव के दोषी तो साफ-साफ पहचाने गए, लेकिन एक वर्ग विशेष कांग्रेस पार्टी और गहलोत सरकार से नाराज न हो जाए, इसलिए पुलिस के हाथ बांध दिए गए।

> ■ **बोले, यदि इस बार भी अपराधियों को बख्श दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है**

शेखावत ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति की हद तो यह है कि अपना गृह क्षेत्र होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर नहीं आए। करौली में करीब महीनेभर कर्फ्यू लगाए रखा, लेकिन वहां भी नहीं गए। मुख्यमंत्री उदयपुर में हुई घटना को भी केवल दु:खद बताकर अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री जनता सब देख रही है। केंद्रीय मंत्री ने मांग की कि उदयपुर की घटना की पूरी गंभीरता के साथ जांच होनी चाहिए। जिन्होंने कन्हैयालाल तेली की जान ली, केवल वो दोषी नहीं हैं। उनके पीछे कौन लोग हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाने की आवश्यकता है, भले वो कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों? उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी अपनी तुष्टीकरण की राजनीति से बाहर निकलकर प्रदेश की जनता की रक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी अपराधियों को बख्श दिया गया तो अगले साल जनता आपका हिसाब करने के लिए तैयार बैठी है। देश से तो कांग्रेस का सफाया हो चुका है। अब उसके अंतिम किले राजस्थान और छत्तीसगढ़ का ढहना भी तय है।

राज दीपक रस्तोगी का कार्यकाल बढ़ाया

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्र सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राज दीपक रस्तोगी को अपर सॉलिसीटर जनरल ऑफ इंडिया के पद पर कार्यकाल को बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति से अनुमति मिलने के बाद विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर रस्तोगी का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए बढाया है।

वकील गोवर्धन सिंह की सीबीआई जांच की गुहार

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार कौंसिल से निलंबित अधिवक्ता गोवर्धन सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में दायर याचिका पर दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज विभिन्न एफआईआर को रद्द करने की गुहार के साथ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए दो सप्ताह बाद सुनवाई रखी है। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश गोवर्धन सिंह की याचिकाओं पर दिए।

याचिका में कहा गया कि उसे गत 27 अप्रेल को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद उसके खिलाफ एक के बाद एक कई एफआईआर दर्ज कराई गई। वहीं जिन मामलों में पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी थी, उन्हें भी रीओपन कर याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। याचिका में कहा गया कि एक मामले में न्यायिक अभिरक्षा के आदेश होने के बाद उसे दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता है। अब तक उसे करीब 55 दिन की पुलिस अभिरक्षा में रख चुके हैं। इसके अलावा उसे बैंक खातों आदि को भी सीज कर दिया है। राज्य सरकार याचिकाकर्ता के खिलाफ दुर्भावना से कार्रवाई कर रही है। ऐसे में प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए उसे सीबीआई को सौंपा जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि आरोपी कई लोगों को ब्लैकमेल करता था। उसके खिलाफ जयपुर और बीकानेर में पिछले दो दशक से कई मामले दर्ज हुए हैं। वहीं उसकी गिरफ्तारी के बाद कई पीड़ितों ने सामने आकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने के कोई आधार नहीं है। केवल मात्र आरोपी के कहने से ही प्रकरण की जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जा सकती। यदि ऐसा हुआ तो सभी आरोपी अपने मामले की जांच सीबीआई को भेजने के लिए कहेंगे।

सड़क पर 691 अतिक्रमण, हाईकोर्ट ने पालना के लिए तीन माह का समय दिया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी सड़क पर करीब सात किलोमीटर के दायरे में हुए अतिक्रमण के मामले में राज्य सरकार को पालना के लिए तीन माह का समय दिया है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश बाबूलाल शर्मा की पीआईएल पर दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच के अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया है। इस रोड पर करीब सात किमी दूरी में 691 अतिक्रमण हैं। अतिक्रमियों को नोटिस दिए जा चुके हैं और कई अतिक्रमियों ने अपनी आपत्तियां भी पेश की है। फिलहाल अतिक्रमियों का पक्ष सुना जा रहा है। ऐसे में आदेश की पालना के लिए तीन माह का समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने राज्य सरकार को समय देने का विरोध करते हुए कहा कि दिसंबर में ही अतिक्रमणों के सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई थी। राज्य सरकार ने लंबे समय से हाईकोर्ट के आदेश की पालना नहीं की है। इसलिए अब राज्य सरकार को समय देने की बजाय अदालत आदेश की पालना करवाए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर राज्य सरकार को तीन महीने का समय दिया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने न्यू सांगानेर रोड पर मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से रीको फ्लाईओवर के बीच बनी 200 फीट की रोड पर करीब सात किमी के दायरे में हुए अतिक्रमण मामले में जुलाई 2021 में जेडीए को निर्देश दिया था कि वह एक महीने में इस रोड के सभी अतिक्रमणों को चिन्हित करें और उसके तीन महीने में अभियान चलाकर अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई करें। इसके बाद नवंबर 2021 में भी हाईकोर्ट ने अपने पूर्व में दिए गए फैसले में भी दखल से इंकार करते हुए न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल मानसरोवर व अन्य की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी।

मुख्यमंत्री अपनी भूमिका में पूर्णतया विफल, तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है : डॉ. पूनिया

'राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उदयपुर हत्याकांड को लेकर कहा कि, प्रदेश में कानून व्यवस्था की नाकामी प्रदेश के पुलिस इंटेलिजेंस की फेल्योर और पुलिस का इकबाल खत्म होना यानी किसी की दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधी बेखौफ हो जाएं और सरेआम इस तरह से अपराध करें तो ये सीधे-सीधे राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है।

एनआईए और केन्द्र की एजेन्सी तभी आती है जब स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार, पुलिस नाकाम हो जाती है और उदयपुर की इस घटना से शायद एनआईए का अपना एक संकेत है कि ये घटना केवल एक, दो या तीन व्यक्ति की नहीं है, इसके तार कहां तक जायेंगे, कोई कह नहीं सकता, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के शासन में जो सहूलियत अपराधियों को मिली हुई है, इस तरह के

डॉ. सतीश पूनिया मीडिया से रूबरू हुए।

राज में अपीजमेंट की राजनीति हो रही है, जिस राज में पुलिस में राजनैतिक दखल से नियुक्तियां होती हों, जिस राज में पुलिस के बेड़े को आधुनिकीकरण के लिए संसाधन के लिए कोई सोच नहीं हो तो ऐसी परिस्थिति में वहां की पुलिस नाकाम हो जाती है।

> ■ **'दुकान पर जाकर गर्दन काट देना ये पुलिस के इकबाल खत्म होने की सबसे बड़ी निशानी है, अपराधियों का बेखौफ हो जाना राज्य सरकार की कानून व्यवस्था की विफलता को बताता है'**

राज्य का पुलिस प्रशासन और सरकार कमजोर हो जाती है तो सबसे पहले कोई दोषी हैं तो वो राजस्थान के गृहमंत्री और मुख्यमंत्री हैं, जिन पर जन सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी थी पर ये अफसोस है कि वो टविटर के जरिये शांति और सदभाव की अपील करके प्रधानमंत्री जी के बारे में ये कहते हैं कि उनको आगे आना चाहिए, तो भाई आप पीछे क्यों हो राजस्थान की जिम्मेदारी तो आपके जिम्मे है और इसलिए स्वभाविक तौर पर एनआईए जब आया है तो ये उम्मीद की जा सकती है कि एनआईए उन सब लोगों तक पहुंचेगा तो राजस्थान की शांति और सदभाव को बिगाड़ना चाहते हैं, जो लोग ये बयान देते है कि पूरे देश में केरोसिन फैल जाएगा यानि ये स्पष्ट है कि किस तरह की मानसिकता से यह लोग प्रदेश को अराजकता में धकेलना चाहते हैं, पूरे देश में अशांति फैलाना चाहते हैं, ये पहला इंसिडेन्ट नहीं है। राज्य के मुख्यमंत्री जो स्वयं गृहमंत्री भी हैं, जो अपनी भूमिका में पूर्णतय विफल हैं, इस प्रकार की तालीबानी घटनाओं से राज्य की जनता भयभीत है और सरकार जन सुरक्षा का भरोसा देने में असफल हुई है। हम एक जिम्मेदार राजनैतिक दल के नाते अपील करते है कि प्रदेश में शांति और सदभाव बना रहे, लेकिन प्रश्न यह है कि राज्य में इस प्रकार की घटनाएं कांग्रेस के शासन में क्यों होती हैं?

कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख के मुआवजे की घोषणा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रदेशवासियों से शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना धार्मिक नहीं, बल्कि आतंकी घटना है। राज्य सरकार द्वारा बिना विलंब अपराधियों को कठोर सजा दिलाई जाएगी। हम सभी को एकजुट होकर शांतिपूर्वक तरीके से ऐसी घटनाओं की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रित परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाऐगी।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव, राष्ट्रीय लोकदल के प्रतिनिधि व तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि बलवान पूनिया, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि व पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, किसान महापंचायत के प्रतिनिधि रामपाल जाट सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

सिमरनजीत और अनंत की इलोर्डा कप में विजयी शुरुआत

नई दिल्ली, 29 जून। भारतीय मुक्केबाज सिमरनजीत कौर और अनंत चोपडे ने बुधवार को कजाकिस्तान के नूर-सुल्तान में शुरू हुए इलोर्डा कप के उद्घाटन संस्करण में पहले दौर में विपरीत अंदाज में मिली जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। 2018 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली सिमरनजीत टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत के साथ खिताब की दावेदार बनी रहीं।

उन्होंने महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में स्थानीय मुक्केबाज इसचानोवा नाज़िम को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। देश के लिए पहले बाउट में उतरे अनंत को हालांकि अपने मंगोलियाई विरोधी दोर्जन्याम्बु गनबोल्ड से कड़ी चुनौती मिली। भारतीय मुक्केबाज हालांकि पुरुषों की 54 किग्रा भार वर्ग के इस मुकाबले में रोमांचक लड़ाई के बाद 3-2 के अंतर से जीत हासिल करने में सफल रहे। सिमरनजीत और अनंत अब अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मैचों में क्रमश: चीन की जू जिचुन और कजाकिस्तान के अल्टिनबेक नूरसुल्तान से भिड़ेंगे।

भारत के लिए एजबेस्टन टेस्ट में जीत जरूरी

दुबई, 29 जून। इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पहले से ही बहुत पीछे है। यहां तक कि न्यूज़ीलैंड का 3-0 से सूपड़ा साफ़ करने के बावजूद फ़ाइनल में पहुंचने की उनकी संभावना कम है। अगर वह भारत को आख़िरी टेस्ट में हरा देते हैं, घर में दक्षिण अफ़्रीका का सूपड़ा साफ़ करते हैं और पाकिस्तान को भी हरा देते हैं, तो भी उनका अंक प्रतिशत 50 से थोड़ा आगे ही होगा।

मौजूदा चैंपियन न्यूज़ीलैंड पहले ही दावेदार की रेस से बाहर हो गया है। अब वह सर्वाधिक अंक प्रतिशत 50 ही अर्जित कर सकते हैं।

भारत को सात टेस्ट खेलने हैं- एक टेस्ट इंग्लैंड में, चार ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अपने घर में और दो बांग्लादेश के ख़िलाफ़ उनके घर में। भारत अधिकतम अंक प्रतिशत 74.53 अर्जित कर सकता है, जो ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ने के लिए काफ़ी होना चाहिए। भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का भी अंक प्रतिशत गिरेगा। भारत अगर एक टेस्ट हारता है तो उनका अंक प्रतिशत 68.98 और दो टेस्ट हारने पर 63.42 हो जाएगा। तो एजबेस्टन टेस्ट भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के पास अभी भी 11 टेस्ट खेलने को बचे हैं- दो श्रीलंका में, चार भारत में, दो वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घर में और तीन दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़। यदि वह घर में खेले जाने वाले पांच में से चार टेस्ट जीत लेते हैं तो उन्हें 65 का बेहतर अंक प्रतिशत बनाने के लिए एशिया में दो टेस्ट जीतने होंगे। दक्षिण अफ़्रीका को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित घर में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ दो टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में उन्हें 65 के अंक प्रतिशत से आगे निकलने के लिए विदेशी सरजमीं पर कम से कम एक सीरीज़ जीतनी ही होगी।

पाकिस्तान के पास अच्छा मौक़ा है क्योंकि उनके बचे सात में से पांच टेस्ट घर में होने हैं- तीन इंग्लैंड के ख़िलाफ़, दो न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ और दो विदेशी टेस्ट श्रीलंका में होने हैं। अगर वह सात में से पांच टेस्ट जीत लेते हैं तो वे अंक प्रतिशत में 65 से अधिक पर समाप्त करेंगे। श्रीलंका के लिए चीज़ें मुश्किल हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया व पाकिस्तान की मेज़बानी करनी है और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ उनके घर में खेलना है। उन्हें 65 अंक प्रतिशत के क़रीब पहुंचने के लिए चार जीत और एक ड्रॉ खेलना होगा।

जब आप भारत की जर्सी पहनते हैं, तो सिर्फ टीम के बारे में सोचते है : हुड्डा

डबलिन, 29 जून। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में शतक लगाने वाले दीपक हुड्डा ने कहा है कि उनके खेल में निखार का कारण उनकी बदली हुई मानसिकता है। हुड्डा ने मैच के बाद कहा, एक क्रिकेटर होने के नाते मैंने यह सीखा है कि आपको बहुत दूर तक नहीं सोचना चाहिये। आप कितनी भी सीरीज़ खेलें, एक बार में एक मैच की ओर ही देखना चाहिये। अगर मेरी कार्य नीति ठीक है तो मेरी मानसिकता भी बेहतर होगी और मैं रन भी बनाऊंगा।" डबलिन में मंगलवार को खेले गये रोमांचक टी20 में भारत ने हुड्डा (104) की शतकीय पारी की बदौलत आयरलैंड के सामने 226 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में आयरलैंड ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए अपने 20 ओवर में 221 रन बनाये और सिर्फ चार रन से मैच हारी।

हुड्डा ने आयरलैंड की तारीफ करते हुए कहा, "सच कहूं तो आयरलैंड ने हमारे खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया और हमें भी उनके साथ खेलकर अच्छा लगा। पहले और दूसरे मैच की पिच में काफी अंतर था। पहले मैच में बारिश के कारण पिच भीगी हुई थी, लेकिन आज विकेट बल्लेबाजी के लिये अच्छा था जो दोनों टीमों की बल्लेबाजी में दिखा भी।"

जब हुड्डा से टीम में उनकी जगह पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब आप भारत की जर्सी पहन कर खेल रहे होते हैं तो आप टीम के बारे में सोचते हैं, न कि अपने बारे में। हुड्डा ने कहा, "भारतीय टीम में जगह पाना और फिर वहां अपनी जगह कायम रखना मुश्किल है, मगर इसी के साथ जब आप भारत की जर्सी पहन कर खेलते हैं तो आप अपने बारे में बिलकुल नहीं सोचते। आप टीम के बारे में सोचते हैं। मैं मैदान पर यही सोचता हूं कि मैं किसी स्थिति में टीम में क्या योगदान दे सकता हूं, इससे ज्यादा कुछ नहीं। यह मेरे लिये गर्व की बात है कि मैं भारत के लिये खेल रहा हूं, चाहे मैं रन बनाऊं या नहीं।"

दो मैचों की श्रंखला में 151 रन (47, 104) रन बनाने वाले हुड्डा को मैन ऑफ द सीरीज़ चुना गया। पहले मैच में हुड्डा ने रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद भारत के लिये ओपनिंग की थी और मैच को समाप्त भी किया था। पहली बार सलामी बल्लेबाज का किरदार निभाने के बारे में हुड्डा ने कहा, सच कहूं तो मैं थोड़ा दबाव महसूस कर रहा था, मगर मुझे नॉन-स्ट्राइकर छोर पर अच्छे साझेदार मिले जो मुझे समझाते रहे। इससे मेरा दबाव कम हुआ।"

हुड्डा ने कहा, "मैंने कभी एक अंतरराष्ट्रीय मैच में पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन ऊपरी क्रम का बल्लेबाज होने के नाते आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपके पास विकल्प नहीं होते, और यदि आपके पास विकल्प नहीं हैं तो क्यों न आप एक योद्धा की तरह मैदान पर उतरें।"

हुड्डा ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, "जाहिर है, हार्दिक बहुत अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। आपने आईपीएल में भी देखा कि उन्होंने एक नयी फ्रेंचाइज़ी की कप्तानी की और वह आईपीएल जीते। मैं उनके लिये बेहद खुश हूं और जिस तरह वह जिम्मेदारी ले रहे हैं, मुझे उन पर गर्व है।"

रोहित की कोविड रिपोर्ट एक बार फिर से पॉजिटिव

बर्मिंघम, 29 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बुधवार सुबह की कोरोना रिपोर्ट फिर से पॉज़िटिव आई है, इससे उनके एजबेस्टन टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार शाम और गुरूवार को सुबह उनका दो बार फिर से आरटीपीसीआर टेस्ट होगा, उसके बाद ही कोई आख़िरी निर्णय लिया जाएगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ़ से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि रोहित की अनुपस्थिति में भारत का कप्तान कौन होगा। केएल राहुल के दौरे से बाहर होने के बाद किसी को भी उपकप्तान नहीं बनाया गया है। हालांकि जसप्रीत बुमराह इसके प्रबल दावेदार है। इससे पहले श्रीलंका सीरीज़ के दौरान भी बुमराह को उपकप्तान बनाया गया था। बुमराह ने अभी तक पेशेवर क्रिकेट में कभी भी कप्तानी नहीं की है। अगर ऐसा होता है तो वह कपिल देव के बाद भारत के कप्तान बनने वाले दूसरे विशुद्ध तेज़ गेंदबाज़ होंगे। श्रीलंका सीरीज़ से पहले बुमराह ने कहा था कि वह कभी भी टीम का नेतृत्व करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा, "अगर मुझे किसी भी परिस्थिति में कोई भी मौक़ा मिलता है तो यह मेरे लिए एक सम्मान की बात होगी और मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा। जिस भी भूमिका के लिए मुझसे कहा जाएगा मैं उसे पूरी तरह से निभाऊंगा। जब आप टीम के वरिष्ठ सदस्य होते हैं तब आप नेतृत्वकर्ता भी होते हैं। इसलिए यह सिर्फ़ एक भूमिका ही होती है जो आपको औपचारिक तौर पर मिलती है।

तीसरे राउंड में पहुंचे जोकोविच, रूड बाहर

लंदन, 29 जून। सर्बिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस को हराकर विम्बलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। 35 वर्षीय जोकोविच ने सेंटर कोर्ट में हुए दूसरे दौर के मुकाबले में कोकिनाकिस को 6-1, 6-4, 6-2 से हराया।

लगातार तीन विम्बलडन जीत चुके जोकोविच ने तीसरे दौर में पहुंचने के बाद कहा, "मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मैंने उनसे हर पॉइंट के लिये मेहनत करवाई, अपने खेल में काफी विविधता लेकर आया। गेंद को हवा में उछालना मुश्किल था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। मैं इस बात से प्रसन्न हूं कि मैंने दो दिनों में अपना स्तर कैसे बढ़ा या है।" तीसरे दौर में जोकोविच का सामना चाइल के अलेहांद्रो तबीलो या उनके हमवतन मियोमीर केकमानोविच से होगा।

इसी बीच, विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी कैस्पर रूड फ्रांस के उगो हम्बर्ट से दूसरे दौर में हारकर ग्रास कोर्ट आयोजन से बाहर हो गये। हम्बर्ट ने नॉर्वे के रूड को 3-6, 6-2, 7-5, 6-4 से हराया।

मलेशिया ओपन : दूसरे राउंड में पहुंची पी.वी. सिंधु

कुआलालंपुर, 29 जून। पूर्व विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु ने बुधवार को मलेशिया ओपन की महिला एकल स्पर्धा के दूसरे दौर में जगह बनायी, जबकि सायना नेहवाल पहले दौर में ही बाहर हो गयीं। सिंधु ने एक्सियाटा एरिना में हुए पहले राउंड के मुकाबले में थाइलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-13, 21-17 से मात दी। दूसरी ओर, मई में आयोजित थाइलैंड ओपन के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही सायना को अमेरिका की आइरिस वांग के हाथों 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने मैच की शुरुआत में ही आक्रामक रवैया अपनाते हुए ब्रेक तक चार पॉइंट की बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक के बाद 16-13 की बढ़त हासिल करने वाली सिंधु ने लगातार पांच पॉइंट जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। पोर्नपावी ने दूसरे गेम में सिंधु को कड़ी टक्कर दी। एक समय पर गेम 17-17 की बराबरी पर पहुंच गया, लेकिन सिंधु ने एक बार फिर वापसी करते

हुए लगातार लगातार चार पॉइंट जीते और मैच भी अपने नाम किया। सिंधु और पोर्नपावी नौ बार आमने-सामने आये हैं जिसमें सिंधु ने छह बार जीत दर्ज की है जबकि पोर्नपावी तीन बार विजयी रही हैं। वह एचएस प्रणय के बाद मलेशिया ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पहले अश्विनी पोनप्पा और बी सुमीत रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी नीदरलैंड की रॉबिन ताबेलिंग और सेलेना पीक की जोड़ी से 21-15, 19-21, 21-17 से हारकर पहले ही राउंड में बाहर हो गयी थी।

अनकैप्ड खिलाड़ियों को इंग्लैंड दौरे पर भेजेगी मुंबई इंडियंस

मुम्बई, 29 जून। आईपीएल 2022 के निराशाजनक अभियान के बाद मुंबई इंडियंस अगले सीज़न की तैयारियों का शुभारंभ करने जा रही है। जुलाई में फ्रैंचाइज़ी अपने अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को तीन हफ़्तों के लिए इंग्लैंड के दौरे पर भेजने वाली है।विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं में अभ्यास करने के अलावा मुंबई टीम के युवा खिलाड़ी शीर्ष काउंटी क्लब टीमों के ख़िलाफ़ कम से कम 10 टी20 मैच खेलेंगे। तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, रमनदीप सिंह, ऋतिक शौकीन उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें कठिन परिस्थितियों में टॉप टी20 टीमों के विरुद्ध खेलने का अवसर मिलेगा।

भारतीय खिलाड़ियों की प्रगति पर नज़र रखने के लिए प्रमुख कोच महेला जयवर्धने समेत मुंबई का सपोर्ट स्टाफ़ इंग्लैंड में रहेगा। भारतीय घरेलू सीज़न ख़त्म हो चुका है। जहां कप्तान रोहित शर्मा और स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह राष्ट्रीय टीम के साथ होंगे, वहीं मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय सितारे अपनी टीमों के साथ व्यस्त होंगे। मुंबई को उन युवा खिलाड़ियों पर ध्यान देना होगा जिन्हें अगले घरेलू सीज़न से पहले साढ़े तीन महीनों के लिए कोई मैच प्रैक्टिस नहीं मिलेगी। इस दौरे के लिए मुंबई को बीसीसीआई से मंज़ूरी लेने की कोई आवश्यकता नहीं है बशर्ते टीम अन्य फ्रैंचाइज़ियों या विदेशी टी20 टीमों के विरुद्ध प्रदर्शनी मैच नहीं खेलती है। इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले संभावित खिलाड़ी: तिलक वर्मा, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, मयंक मार्कंडे, राहुल बुद्धि, बेसिल थंपी, मुरुगन अश्विन, आर्यन जुयाल, रमनदीप सिंह, अनमोलप्रीत सिंह, आकाश मेधवाल, अरशद ख़ान, अर्जुन तेंदुलकर, डेवाल्ड ब्रेविस।